vinetur

शोधकर्ताओं का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका में बीयर करों की नई व्यवस्था से सालाना 1,900 मौतें रोकी जा सकती हैं

शोधकर्ताओं का कहना है कि कोषागार के प्रस्तावित कर-दायरे ब्रुअरों को कम अल्कोहल वाली बीयर बनाने के लिए प्रेरित नहीं करते और हानिकारक मद्यपान पर अंकुश कठिन बनाते हैं

गुरुवार, 19 नवंबर 2026



South African Medical Research Council और University of Cape Town के शोधकर्ताओं के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका में होने वाली कुल मौतों में 3.7% का संबंध अल्कोहल से है। उन्होंने बुधवार, 18 नवंबर को कहा कि हानिकारक मद्यपान कम करने के लिए देश की बीयर कर व्यवस्था में बदलाव किया जाना चाहिए।

शोधकर्ताओं ने अल्कोहल नीति पर आयोजित एक मीडिया गोलमेज चर्चा में 2023 Global Burden of Disease अध्ययन और एक अलग मॉडलिंग अध्ययन के निष्कर्ष पेश किए। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में अल्कोहल के कारण लगभग

10 लाख विकलांगता-समायोजित जीवन-वर्ष (DALYs) का नुकसान हुआ, जो देश के कुल रोग-भार का 3.3% है।

Medical Research Council की Burden of Disease Research Unit के वरिष्ठ विशेषज्ञ वैज्ञानिक और University of Cape Town में मानद वरिष्ठ व्याख्याता Dr. Annibale Cois ने कहा कि सार्वजनिक बहस में अल्कोहल के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को अक्सर बहुत सीमित दायरे में देखा जाता है।

उन्होंने कहा कि अल्कोहल का संबंध कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से है, जिनमें हृदय रोग, तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक विकार, कैंसर और अन्य दीर्घकालिक बीमारियां शामिल हैं। इसका नुकसान मद्यपान और लिवर को होने वाली क्षति के बीच आम तौर पर जोड़े जाने वाले संबंध से कहीं अधिक व्यापक है।

यह चर्चा ऐसे समय हो रही है जब दक्षिण अफ्रीका का National Treasury अल्कोहल पर उत्पाद शुल्क की समीक्षा कर रहा है। शोधकर्ताओं ने कहा कि मौजूदा प्रस्ताव की संरचना, खासकर बीयर के मामले में, इतनी व्यापक हो सकती है कि निर्माताओं को अपने मुख्यधारा के उत्पादों में अल्कोहल की मात्रा घटाने के लिए प्रोत्साहन न मिले।

University of Cape Town की Research Unit on the Economics of Excisable Products और Medical Research Council द्वारा तैयार एक अध्ययन, Lives Saved and Disease Burden Averted Through Reduced Alcohol Consumption in South Africa, में जांचा गया कि बीयर कर की अलग-अलग व्यवस्थाएं मद्यपान के तरीकों और सार्वजनिक स्वास्थ्य के नतीजों को किस तरह बदल सकती हैं।

शोधकर्ताओं के मॉडल में सबसे प्रभावी परिदृश्य के तहत बीयर की खपत 15.7% और शुद्ध अल्कोहल की कुल खपत 8.5% घटेगी। उनके अनुमान के मुताबिक, इस बदलाव से हर साल लगभग 1,900 मौतें रोकी जा सकती हैं और सालाना 91,000 से अधिक स्वस्थ जीवन-वर्ष जोड़े जा सकते हैं।

इस बहस में बीयर अहम है, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका में खपत होने वाले शुद्ध अल्कोहल का लगभग 54% हिस्सा बीयर से आता है। इसलिए बीयर कर में किसी भी बदलाव का सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति और पेय उद्योग, दोनों के लिए विशेष महत्व है। कर की अलग व्यवस्था आगे चलकर कीमतों, उत्पादों की संरचना और ब्रुअरों के बीच प्रतिस्पर्धा को प्रभावित कर सकती है।

अर्थशास्त्र इकाई की मुख्य शोध अधिकारी Dr. Nicole Vellios ने कहा कि अल्कोहल पर उत्पाद शुल्क को मुख्य रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य के एक साधन के तौर पर देखा जाना चाहिए, न कि केवल राजस्व के स्रोत के रूप में।

उन्होंने कहा कि नियमित बढ़ोतरी जरूरी है, क्योंकि अगर कर में बदलाव केवल महंगाई के अनुरूप हो और इस बीच घरेलू आय बढ़ती रहे, तो समय के साथ अल्कोहल अधिक किफायती हो सकता है। ऐसे में, उनके अनुसार, कर की नाममात्र दर बढ़ने के बावजूद खपत में कमी नहीं आ सकती।

शोधकर्ताओं ने National Treasury के प्रस्तावित बीयर कर-दायरों पर भी सवाल उठाए। प्रस्ताव के तहत बीयर पर मात्रा के हिसाब से अल्कोहल के दो स्तरों—2.5% और 9%—के आधार पर कर लगाया जाएगा। Vellios ने कहा कि इस व्यवस्था में दक्षिण अफ्रीका में बिकने वाली अधिकांश बीयर, जिसमें आम तौर पर अल्कोहल की मात्रा 4% से 6% होती है, एक ही कर-दायरे में आएगी।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, इससे ब्रुअरों के पास अल्कोहल की मात्रा में थोड़ी कटौती करने की बहुत कम वजह होगी, क्योंकि कम दर के लिए किसी सामान्य उत्पाद में अल्कोहल की मात्रा घटाकर 2.5% से नीचे लानी होगी। Vellios ने कहा कि यह मौजूदा अधिकांश उत्पादों की 4.5% से 5.5% की मात्रा से काफी बड़ी कमी होगी।

शोधकर्ताओं के वैकल्पिक मॉडल में 2.5%, 3.5% और 4.5% पर अधिक संकीर्ण कर-दायरे प्रस्तावित हैं। उनका तर्क है कि इन दायरों से उत्पादकों को ऐसे कम अल्कोहल वाले बीयर उत्पाद विकसित करने के लिए ज्यादा प्रोत्साहन मिलेगा, जो

मुख्यधारा के उपभोक्ताओं की पसंद के करीब रहें।

इस बहस का महत्व कर नीति से आगे तक जाता है। अगर दक्षिण अफ्रीका अधिक संकीर्ण कर-दायरे अपनाता है, तो ब्रुअरों पर मौजूदा ब्रांडों की संरचना बदलने या कम अल्कोहल वाले उत्पादों की पेशकश बढ़ाने का दबाव पड़ सकता है। वहीं, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को अधिक और कम अल्कोहल वाली बीयर के बीच कीमतों में बड़ा अंतर दिख सकता है। इस बदलाव को अभी मंजूरी नहीं मिली है और Treasury की परामर्श प्रक्रिया जारी है।

शोधकर्ताओं ने हिंसा में अल्कोहल की भूमिका का भी अध्ययन किया। उनके मॉडल के सबसे प्रभावी परिदृश्य में अनुमान लगाया गया कि हर साल पारस्परिक हिंसा से जुड़ी लगभग 66 मौतें रोकी जा सकती हैं और हिंसा से संबंधित 4,044 से अधिक DALYs का नुकसान टाला जा सकता है।

उन्होंने कहा कि इन नतीजों का यह मतलब नहीं है कि केवल कर सुधार से लैंगिक हिंसा या पारस्परिक नुकसान के अन्य रूप रुक जाएंगे। हालांकि, उनका तर्क था कि हानिकारक मद्यपान में कमी से हिंसा की रोकथाम के व्यापक प्रयासों में सार्थक योगदान मिल सकता है।

SAAPA SA की अभियान निदेशक Nomcebo Dlamini ने कहा कि अल्कोहल के दुरुपयोग का असर अक्सर पीने वाले व्यक्ति से इतर लोगों पर पड़ता है, खासकर महिलाओं, बच्चों और परिवार के अन्य कमजोर सदस्यों पर। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक चर्चा अक्सर केवल अल्कोहल का सेवन करने वाले व्यक्ति पर केंद्रित रहती है और घरों तथा समुदायों में होने वाले व्यापक नुकसान को नजरअंदाज करती है।

Medical Research Council की Burden of Disease Research Unit के निदेशक और University of Cape Town में मानद प्रोफेसर Professor Richard Matzopoulos ने कहा कि जब अल्कोहल उद्योग से मिलने वाले रोजगार, बिक्री और कर राजस्व पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, तो इससे होने वाली आर्थिक लागत को अक्सर कम करके आंका जाता है।

उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा नुकसान समय से पहले होने वाली मौतों और स्वस्थ जीवन के वर्षों के छिनने से होता है, न कि केवल सरकार या औपचारिक अर्थव्यवस्था के सीधे खर्च से। उन्होंने यह भी कहा कि आबादी के स्तर पर अल्कोहल की खपत घटाने के प्रयासों का अक्सर विरोध होता है, क्योंकि इससे उद्योग के मुनाफे पर असर पड़ सकता है।

दक्षिण अफ्रीका के National Treasury ने अपने 2026 Budget Review में कहा कि अल्कोहल पर उत्पाद शुल्क को लेकर परामर्श साल भर जारी रहेगा। इससे यह सवाल खुला है कि सरकार अपने मौजूदा प्रस्ताव में बीयर के व्यापक कर-दायरे बरकरार रखेगी या शोधकर्ताओं की पसंद वाली अधिक संकीर्ण व्यवस्था पर विचार करेगी।